

## **NUMBER OF ELECTRICAL METERS TESTED IN LABS**

**\*6** **SHRI VARUN CHAUDHRY, MLA:** Will the Power Minister be pleased to state: -

- a) the year-wise number of electrical meters tested in the labs in State in the last three years along with the number of meters which were found to be running slow and running fast separately; and
- b) the reasons for not sending the electrical meters to independent labs for testing?

**RANJIT SINGH, ENERGY MINISTER**

Sir, a statement is laid on the table of the house.

**Statement laid on the table of the House with the reply to Starred Assembly**

**Question No. \*6**

a) The year wise details are given as under -

Sr. No.	Financial Year	Number of meters tested in Labs in the state	Number of meters found running slow/Tampered	Number of meters found running fast *
1	2020-21	156840	3682	107
2	2021-22	109510	5150	122
3	2022-23	120525	7110	109
4	2023-24 (Up to 31.07.2023)	53777	1870	70

**\*These meters found working beyond permissible limit.**

b) For testing electrical meters, there are 10 Nos. Metering & Testing (M&T) Laboratories in the State situated at Dhulkote (Ambala), Yamuna Nagar, Kaithal, Karnal, Rohtak, Gurugram, Faridabad, Hisar, Sirsa & Charkhi Dadri. These labs have all required facilities for high quality testing of electrical meters.

Out of aforesaid 10 M&T Labs; 6 labs {Dhulkote (Ambala), Yamuna Nagar, Kaithal, Karnal, Rohtak & Gurugram} are duly accredited from National Accreditation Board for Testing & Calibration Laboratories (NABL), Govt. of India for ISO/IEC 17025:2017.

In view of in-house high quality & NABL accredited meter testing Labs, there is no requirement of sending the electrical meters to independent labs for testing.

## प्रयोगशालाओं में जांचे गए विद्युत मीटरों की संख्या

\*6 श्री वरुण चौधरी (मुलाना):

क्या ऊर्जा मंत्री कृपया बताएं कि:-

- क) राज्य में गत तीन वर्षों में प्रयोगशालाओं में जांचे गए विद्युत मीटरों की वर्ष-वार संख्या कितनी है तथा उन मीटरों की पृथक-पृथक संख्या कितनी है जो धीमी गति तथा तेज गति से चलते हुए पाए गए हैं; तथा
- ख) विद्युत मीटरों को परीक्षण हेतु स्वतंत्र प्रयोगशालाओं में न भेजे जाने के कारण क्या हैं?

**रणजीत सिंह, ऊर्जा मंत्री**

श्रीमान, विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

तारांकित विधानसभा प्रश्न संख्या \*6 के उत्तर सहित विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत।

क) वर्ष-वार विवरण निम्न प्रकार दिया गया है-

क्र. सं.	वित्त वर्ष	राज्य में प्रयोगशाला में जांचे गए मीटरों की संख्या	धीमी गति/छेड़छाड़ वाले पाए गए मीटरों की संख्या	तेज चलते पाए गए मीटरों की संख्या*
1	2020.21	156840	3682	107
2	2021.22	109510	5150	122
3	2022.23	120525	7110	109
4	2023.24 (31.07.2023 तक)	53777	1870	70

\*ये मीटर स्वीकार्य सीमा से परे कार्य करते हुए पाए गए।

(ख) विद्युत मीटरों के परीक्षण के लिए राज्य में धूलकोट (अंबाला), यमुनानगर, कैथल, करनाल, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, हिसार, सिरसा और चरखी दादरी में 10 मीटरिंग और परीक्षण (एम एंड टी) प्रयोगशालाएं स्थित हैं। इन प्रयोगशालाओं में विद्युत मीटरों की उच्च गुणवत्ता जांच के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं हैं।

उपरोक्त 10 एम एंड टी प्रयोगशालाओं में से, 6 प्रयोगशालाएँ (धूलकोट (अंबाला), यमुना नगर, कैथल, करनाल, रोहतक और गुरुग्राम) आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के लिए नेशनल टेस्टिंग एण्ड कैलीब्रेशन लेबोरेटरी मान्यता बोर्ड (एनएबीएल), भारत सरकार से विधिवत रूप से मान्यता प्राप्त हैं।

इन-हाउस उच्च गुणवत्ता और एनएबीएल मान्यता प्राप्त मीटर जांचने की प्रयोगशालाओं को देखते हुए, विद्युत मीटरों की जांच करने के लिए स्वतंत्र प्रयोगशालाओं में भेजने की कोई आवश्यकता नहीं है।